राग : भीमपलासी

राग माहिती

वादी स्वर	मध्यम 'म'
संवादी स्वर	षडज 'सा'
वर्जित स्वर	आरोहमें रिषभ और धैवत 'रे' तथा 'ध'
जाति	ओडव – संपूर्ण
गायन समय	दिनका तीसरा प्रहर
विकृत स्वर	गांधार और निषाद कोमल प्रयुक्त होते हे।

आरोह	नी	सा	ग	म	प	नी	सां
अवरोह	सां	नी	ध	प	म	ग	रे सा
पकड	निसाम	गमपगम	मगरेसा				

थाट : काफी

१। आ नीले गगन के तले

२। नैनो मे बदरा छाए

३। चलो एक बार फीरसे

४। ले तो आए हो मुजे

स्वरमालिका (राग भीमपलासी)

स्थाइ

ताल : तीनताल

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
												नीसा	गम	पनी	सांनी
ध	–	प	प	नी	प	ग	म	ग	रे	सा	सा	नी	नी	प	नी
सा	–	सा	सा	म	ग	म	ग	रे	रे	सा	–	नीसा	नीसा	म	म
गम	गम	प	प	पनी	पनी	सां	सां	सांनी	धप	मग	रेसा				

अंतरा

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
												निध	पम	गम	पनि
सां	–	–	–	नि	नि	सां	गं	रें	–	सां	–	नि	नि	नि	प
सां	–	–	–	नि	नि	सां	मं	गं	रें	सां	–	सांनि	धप	ध	ध
धध	पम	प	प	पप	मग	म	म	मग	रेसा	रे	सा				

छोटा ख्याल – बंदीश (राग भीमपलासी)

ताल : तीनताल

स्थाइ

ज़ा जा रे अपने मंदिरवा जा, सुन पावेगी सास ननदीया

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
						जा	–	जा	–	रे	–	अ	प	ने	–
						प	–	ग	ग	रे	सा	रे	नी	सा	–
मं	–	दि	र	वा	–	जा	–	सु	न	पा	–	वे	–	गी	–
नी	–	सा	म	म	ग	प	–	ग	म	प	नि	सां	गं	रें	सां
सा	–	स	न	नं	दी	या	–								
नि	नि	नि	सां	नि	ध	प	प								

अंतरा

सुन हो सदा रंग तुमको चाहत हे, क्या तुम हमको शगुन दिया

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
								सु	न	हो	स	दा–	––	रं	ग
								प	प	प	प	पम	निप	ग	म
तु	म	को	चा	ह	त	हे	–	क्या	–	तु	म	ह	म	को	–
प	प	नि	नि	सां	–	–	–	नि	नि	सां	गं	रें	रें	सां	सां
श	गु	न	दी	या	–	जा	–								
नि	नि	सां	नि	ध	प	प	प								